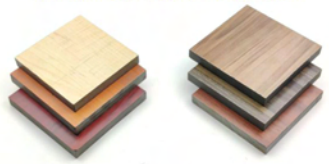

Carpenter's monthly newspaper

कारपेंटर्स न्यूज़

www.carpentersnews.com

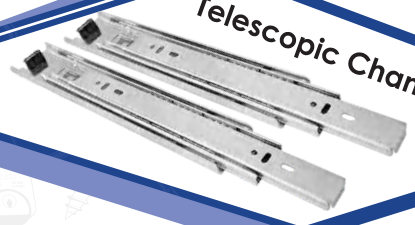

R.N.I.No.MAHHIN/2005/16460 | Postel Regd. No. MCW/321/2022-24
Posted at Delisle Road, Mumbai-400013. On 20th of Every month | Published on Every 10 th day of the month

मासिक समाचार पत्र

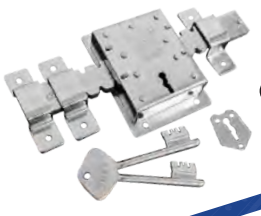

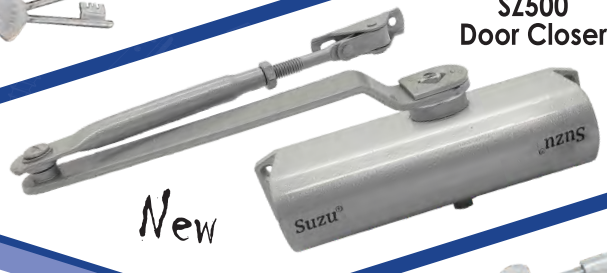

मुंबई | मार्च 2023 | वर्ष : 18 | अंक : 04 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 2 रुपए

‘रंग बरसे’ समारोह में कारपेंटर खेलेंगे गुलाब फूलों की होली... पेज - 2

'रंग बरसे' समारोह में कारपेंटर खेलेंगे गुलाब फूलों की होली

19 मार्च को धूड़मल बजाज हॉल में आयोजन

मुंबई। कारपेंटरों की सामाजिक संस्था कारपेंटर्स वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से वार्षिक होली स्नेह सम्मेलन 'रंग बरसे 2023' कार्यक्रम का आयोजन रविवार 19 मार्च को एस. वी. रोड, मालाड-गोरेगांव के बीच धूड़मल बजाज हॉल में दोपहर 3 बजे से रात 9.30 बजे के बीच किया गया है।

कार्यक्रम संयोजक गंगाराम विश्वकर्मा ने बताया कि मुख्य प्रायोजक ओजोन हार्डवेयर फिटिंग्स व कार्बोरैंडम यूनिवर्सल लिमिटेड, सैल्वन प्लाई, एशियनपेंट्स एडहेसिव द्वारा सह प्रायोजित इस कार्यक्रम में होली, फगुआ व चैती गीतों के साथ गुलाब फूलों की पंखुड़ियों से होली खेली जाएगी। इस समारोह में मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पालघर के अलावा देश के विभिन्न राज्यों से सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

कारपेंटर्स वेलफेयर एसोसिएसन के अध्यक्ष वशिष्ठ नारायण विश्वकर्मा ने बताया कि भवन निर्माण व आंतरिक साज सज्जा से जुड़े कारीगरों के लिए 'रंग बरसे' कार्यक्रम में फर्नीचर निर्माण संबंधित विभिन्न उत्पादों की प्रदर्शनी के अलावा सम - सामयिक मार्गदर्शन भी किया जायेगा।

संस्था के महासचिव दिनेश विश्वकर्मा ने कहा कि 'रंग बरसे 2023' कार्यक्रम में मुंबई सहित उपनगरों में रहने वाले कारपेंटर भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि कारपेंटरों में इस कार्यक्रम को लेकर हमेशा उत्सुकता बनी रहती है। कोरोना महामारी के दौरान 'रंग बरसे' का आयोजन व्यापक स्तर पर नहीं किया जा सका। कारपेंटर्स वेलफेयर एसोसिएशन के सभी सदस्यों के सहयोग से एक बार फिर होली स्नेह सम्मेलन 'रंग बरसे' का आयोजन किया जा रहा है। यह समारोह सिर्फ मनोरंजन ही नहीं हमारे व्यवसाय में हो रहे नित नए परिवर्तन के लिए उपयोगी भी सिद्ध हो रहा है। 'रंग बरसे 2023' कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था के सभी सदस्य भरपूर सहयोग कर रहे हैं।

कारपेंटरों की कमी से जूझ रहा है अमेरिका

मुंबई। इंडियन फर्नीचर इंडस्ट्रीज में प्रशिक्षित कारपेंटरों की भारी कमी है, जिसके लिए कई कंपनियां ट्रेनिंग कैम्पेन चला रही हैं। अब अमेरिका में भी कारपेंटरों की भारी कमी होने की खबर है। अमेरिका में लाखों रूपये के पैकेज वाले कारपेंटर, प्लंबर, इलेक्ट्रिशियन जैसे काम में लोग दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं। वे ऑफिस वर्क करने की चाह में स्किल्स वाले कामों को दरकिनार कर रहे हैं। यही कारण है कि इन दिनों अमेरिका में प्लंबर, कारपेंटर, इलेक्ट्रिशियन जैसे काम करने वाले लोग ही नहीं मिल रहे हैं। जबकि वहां आसानी से इन सेक्टर में काम करने वाले लोग बेहतर कमा लेते हैं।

अमेरिका में इन दिनों प्लंबर, कारपेंटर, इलेक्ट्रिशियन जैसे पदों पर काम करने वाले लोगों की भारी कमी है। लोग इन पदों पर काम ही नहीं करना चाहते हैं। बता दें कि जो लोग पीढ़ियों से काम करते थे उनके बच्चे भी ये काम नहीं अपनाना रहे। इसलिए इस तरह के तमाम पद खाली पड़े हुए हैं। हैरानी की स्थिति तब बन गई है जब साल 2021 में इन पदों के लिए 40 से 60 लाख रुपये सालाना पैकेज देने का ऑफर दिया जा चुका है। ऑनलाइन रिक्रूटिंग प्लेटफार्म हैंडशेक के अनुसार 2020 की तुलना में 2022 में प्लंबिंग, बिल्डिंग और इलेक्ट्रिकल जैसे काम करने की मांग करने वाले युवाओं के आवेदन दर में 49 फीसदी की भारी गिरावट आई है।

कंपनी के मुख्य शिक्षा रणनीति अधिकारी क्रिस्टीन क्रूज़्रवर्गारा ने कहा कि लंबे समय से हमने अपने बच्चों को स्किल सीखने के बजाए कॉलेज भेजा। वे बच्चे अब इन कामों को दरकिनार कर ऑफिस वर्क करना ज्यादा पसंद कर रहे हैं। गौरतलब है कि यूएस चैंबर ऑफ कॉमर्स ने 2023 में इन व्यवसायों में भारी कमी की चेतावनी दी है। अमेरिका में इन पदों पर भर्ती करने की तत्काल जरूरत है।

हेरिटेज कुर्सियां 85.57 लाख में बिकीं

चंडीगढ़। शहर के हेरिटेज फर्नीचर की सुरक्षा और संरक्षण के लिए यूटी प्रशासन के अधिकारियों ने फ्रांस की एक टीम के साथ बैठक की और योजना भी बनाई, लेकिन इसका कोई खास असर देखने को नहीं मिल रहा है। विदेश में फर्नीचरों की नीलामी जारी है। मीडिया खबरों के मुताबिक फ्रांस में हुई नीलामी में शहर के पांच हेरिटेज आइटम्स करीब 1.38 करोड़ में बिके हैं। इसमें सबसे महंगी आठ कुर्सियां करीब 85.57 लाख रुपये में बिकी हैं। लाइब्रेरी टेबल 19.96 लाख रुपये, कॉफी टेबल 8.55 लाख, स्टूल 13.69 लाख, फाइल रेक स्टोरेज यूनिट 1.02 रुपये में बिका है।

शहर के एडवोकेट जग्गा ने राज्यसभा के महासचिव को भेजी शिकायत में मांग किया है कि इन आइटम्स को देश से बाहर भेजने के लिए जो दस्तावेज इस्तेमाल किए गए, उनकी जांच होनी चाहिए। साथ ही इस पूरे मामले की जांच होनी चाहिए कि आखिरकार देश से बाहर ये हेरिटेज फर्नीचर पहुंच कैसे रहा है। उन्होंने कहा कि हाल ही में

भविष्य में ऐसी नीलामी न हो, ये सुनिश्चित करने के लिए प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि हेरिटेज फर्नीचर की संभाल न करने के चलते करोड़ों के राजस्व से हाथ धोना पड़ रहा है। हेरिटेज फर्नीचर की ऐसी सभी नीलामी को रोकने के मध्य प्रदेश में एग्जीबिशन लगाई गई थी। इस एग्जीबिशन में वर्ष 2014 से लेकर 2022 तक देश में लाई गई 229 के करीब हेरिटेज आइटम्स को रखा गया था। इसी तरह हेरिटेज फर्नीचर के संरक्षण के लिए उचित कदम उठाए जाने चाहिए।

रंग बरसे महोत्सव की तैयारी जोरों पर

मुंबई। कारपेंटर्स वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से वार्षिक होली स्नेह सम्मेलन 'रंग बरसे 2023' कार्यक्रम की तैयारी युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। 19 मार्च रविवार को मालाड (पश्चिम) एस.वी.रोड स्थित धूड़मल बजाज हॉल में 'रंग बरसे 2023' का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संस्था के पदाधिकारियों की एक विशेष बैठक मालाड (पश्चिम) स्थित रुईया हाल में आयोजित की गई। संस्था के कार्यकारिणी सदस्य रामबली विश्वकर्मा की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी सदस्यों ने अपने विचार रखे। कारपेंटर्स वेलफेयर एसोसिएसन के अध्यक्ष वशिष्ठ नारायण विश्वकर्मा ने कहा कि भवन निर्माण व आंतरिक साज सज्जा से जुड़े कारीगरों के इस समारोह में सभी के लिए प्रवेश निः शुल्क है। कार्यक्रम संयोजक गंगाराम विश्वकर्मा ने रंग बरसे कार्यक्रम के रूपरेखा की जानकारी दी। कार्यक्रम को सफल बनाने में योगेश विश्वकर्मा, रामलाल विश्वकर्मा, गुलाब विश्वकर्मा, मोतीलाल विश्वकर्मा, हेमंत विश्वकर्मा, वकील विश्वकर्मा, प्रेमनाथ विश्वकर्मा, रामजी विश्वकर्मा, राजन विश्वकर्मा, दीनानाथ विश्वकर्मा, अनिल विश्वकर्मा, कन्हैयालाल विश्वकर्मा, जनार्दन विश्वकर्मा, महेंद्र यादव, संजय विश्वकर्मा, दिनेश विश्वकर्मा, रामबहादुर विश्वकर्मा, शैलेश विश्वकर्मा, संतलाल विश्वकर्मा, अनिल विश्वकर्मा हार्डवेयर आदि भरपूर सहयोग कर रहे हैं।

हजारों डॉलर का फर्नीचर चिंदियों में बेच रहे एलन मस्क

मुंबई। दिग्गज व्यापारी एलन मस्क ने जब से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर को टेकओवर किया है तबसे ट्विटर

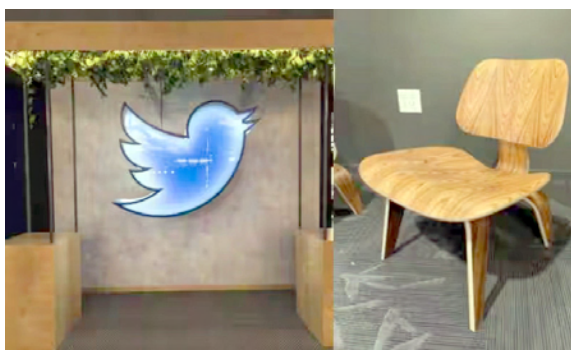

सुर्खियों में बना रहता है। अब ट्विटर कंपनी के पुराने लेकिन महंगे फर्नीचर से लेकर हजारों डॉलर के किचन के उपकरण, कंपनी के लोगो और महंगी मशीनरी सब कुछ नीलामी पर रखा गया।

कैलिफोर्निया में कंपनी के हेडक्वार्टर में 17 जनवरी से शुरू इस नीलामी में 600 से ज्यादा चीजें रखी गई। कई आइटम ऐसे हैं जिसे खरीदा तो हजारों डॉलर में गया था, लेकिन नीलामी में उनकी कीमत महत 25 से 50 डॉलर तक रखी गई। सेल में एक रोटिसरी ओवन है, जिसमें एक साथ 24 चिकन रोस्ट किए जा सकते हैं। 20 गैलन की क्षमता वाला वेजिटेबल ड्रायर है, इंडस्ट्री ग्रेड की कॉफी मशीनें हैं। कई स्मार्ट टीवी, पर्सनल फोन, फर्नीचर में हाई टॉप टेबल, कॉफी टेबल, राउंड कैफे टेबल, ड्रॉयर्स, बार स्टूल, हाई-एंड चेयर्स सहित और भी बहुत सारी चीजें हैं। मस्क की नेतृत्व में कंपनी फंड जुटाने से ज्यादा सफाई करने में लगी है। नीलामी में रखी गई चीजों की जो कीमत रखी गई है, वो तो इसी ओर इशारा कर रही है।

RNI NO. MAHHIN/2005/16460

कारपेंटर्स न्यूज

संपर्क करें : Mo. 9320566633 | Email: carpentersnews@gmail.com
हमें फॉलो करें : Facebook.com/carpentersnews | Telegram: https://t.me/carpenters_news

सभी पाठकों, विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को गुडी पडवा, श्रीराम नवमी व नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं
- संपादक

मुंबई | मार्च 2023 | वर्ष : 18 | अंक : 04 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 2 रुपए

Godrej | LOCKS
THINK SAFETY, THINK GODREJ.

पेश है
बिल्कुल नया सिलिंड्रिकल लॉक
70 MM बास्केट के साथ

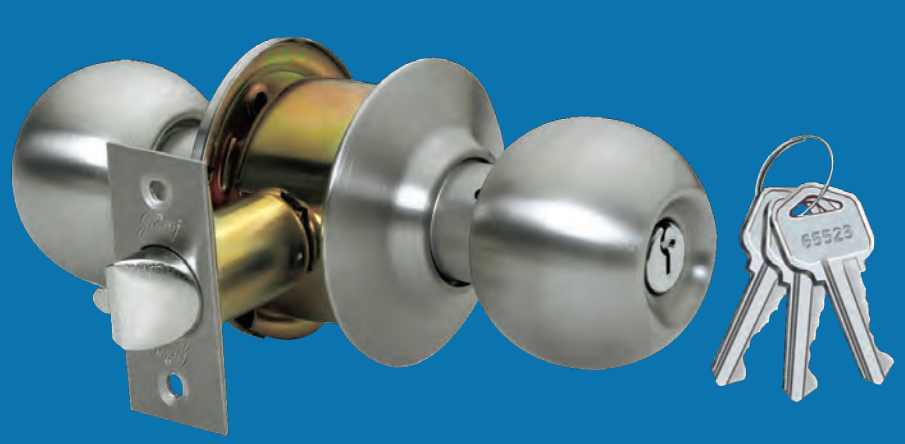

टिकाऊ पीतल की पिन सिलिंडर बनावट

10 MM की अतिरिक्त बास्केट लंबाई से इस्तेमाल करने में आसान

अतिरिक्त सुरक्षा के लिए ऑटोमैटिक डेड लॉकिंग

Godrej Vishesh लाभ Club

अधिक जानकारी के लिए हमें यहां मिस्ड कॉल दें:
96100 05641

www.godrej.com | GodrejLocks | GodrejLocksS

भारत के रास्ते कई देशों में पहुंच रहा सागौन

मुंबई। फर्नीचर के लिए सबसे बेशकीमती माने जाने वाली सागौन की लकड़ी का व्यापार म्यांमार से किया जाता रहा है। भारत इसके लिए एक प्रमुख बाजार बन कर उभरा है। मीडिया खबरों के मुताबिक म्यांमार के घने जंगलों से सागौन की लकड़ी भारत के रास्ते कई देशों में पहुंच रही है। ज्यादातर सागौन का निर्यात भारतीय व्यापारियों का तीसरा पक्ष कर रहा है। बहुत सी सागौन लकड़ी चीन और भारत की सीमाओं पर अवैध रूप से भेजी जा रही है। भारत की तरफ यह नागालैंड, मिजोरम और असम की सीमाओं पर हो रहा है।

म्यांमार में 2021 के सैन्य तख्तापलट के बाद देश से पश्चिमी देशों को लकड़ी के व्यापार पर लगे प्रतिबंध के बाद भारत इसके लिए एक पसंदीदा स्पॉट के रूप में उभर रहा है। म्यांमार से सागौन की लकड़ी का दूसरा सबसे बड़ा आयातक अमेरिका और यूरोपीय संघ को निर्यात के लिए भारत ने म्यांमार से सागौन के आयात पर प्रतिबंध नहीं लगाया है। सागौन की ये आपूर्ति न केवल देश के वन क्षेत्र को कम करती है बल्कि सैन्य शासन को भी जीविका प्रदान करती है। ग्लोबल वॉचडॉग फारेस्ट वॉच के अनुसार फरवरी 2021 और अप्रैल 2022 के बीच भारतीय कंपनियों ने 10 मिलियन डॉलर से अधिक सागौन का आयात किया। म्यांमार में तख्तापलट के बाद से यूएस आधारित फारेस्ट ट्रेंड्स ने बताया है कि म्यांमार से सभी लकड़ी के निर्यात का लगभग एक चौथाई भारत में चला गया है।

यूरोपीय संघ, अमेरिका, ब्रिटेन, स्विट्जरलैंड और कनाडा द्वारा म्यांमार फॉरेस्ट्री इंडस्ट्री के खिलाफ प्रतिबंध लगाए गए जिसमें राज्य द्वारा संचालित म्यांमा टिंबर एंटरप्राइज भी शामिल है, जिसके पास देश की इमारती लकड़ी के विशेषाधिकार हैं।

सागौन की लकड़ी के साथ एक गिरफ्तार

वाराणसी। वन विभाग की टीम ने प्रतिबंधित सागौन की तीन बोटा लकड़ी के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। वह चकिया रेंज के सपई बीट से लकड़ी का बोटा ई-रिक्शा पर लादकर ले जाने की तैयारी में था। चकिया रेंज के सपई उत्तरी बीट में सागौन काटने की लगातार शिकायत मिल रही थीं। वन क्षेत्राधिकारी योगेश कुमार सिंह ने टीम गठित कर इसकी रोकथाम का आदेश दिया है। रात

गश्त पर निकली टीम ने घेराबंदी करके लालपुर गांव के पास जंगल से आते हुए ई-रिक्शा को रोका। उसमें सागौन की लकड़ी के तीन बोटे लदे थे। टीम ने सवार एक व्यक्ति को पकड़ लिया। रिक्शा पर सवार तीन अन्य व्यक्ति अंधेरे का लाभ उठाकर भाग गए। लकड़ी की कीमत 50 हजार रुपये आंकी गई। गिरफ्तार व्यक्ति का नाम सोनू लालपुर का निवासी है।

कसरत से दूर होगा अवसाद और तनाव

मुंबई। दुनिया की एक तिहाई आबादी अवसाद, दुश्चिंता और तनाव जैसी मानसिक मुश्किलों से जूझ रही है। इन चुनौतियों की वजह से लोगों को व्यक्तिगत और सामाजिक तौर पर बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। इसके लिए लोग लंबे समय तक दवाएं खाते हैं और नियमित रूप से मनोवैज्ञानिक परामर्श लेते हैं, लेकिन सप्ताह में 150 मिनट की कसरत से अवसाद और तनाव से बचा जा सकता है।

इस नतीजे तक पहुंचने के लिए यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ ऑस्ट्रेलिया के शोधकर्ता बेन सिंह, कैरोल महेर और जैकिंटा ब्रिसली ने 97 शोध परीक्षणों के नतीजों का अध्ययन किया। यह अध्ययन हाल ही में ब्रिटिश जर्नल ऑफ स्पोर्ट्स मेडिसिन में प्रकाशित हुआ है। अध्ययन में दावा किया गया है कि खासतौर पर अवसाद के मामले में शारीरिक गतिविधियां जैसे- चलना, दौड़ना, खेलना या किसी भी तरह की कसरत असल में दवाओं और परामर्श की तुलना में ज्यादा कारगर हैं। अध्ययन के दौरान 97 अलग-अलग शोध, 1,093 परीक्षण और 1,28,119 भागीदारों के नतीजों की तुलना की गई। अध्ययन में दावा किया गया है कि दवाओं और परामर्श की तुलना में कसरत 150 फीसदी ज्यादा लाभकारी साबित हुई है। मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के साथ ही कसरत के दूसरे लाभ भी होते हैं। इससे संपूर्ण स्वास्थ्य लाभ होता है, शरीर का वजन संतुलित होता है, हड्डियां मजबूत होती हैं और संज्ञानात्मक क्षमताओं के लिहाज से भी लाभ होता है।

NIKHIL

Mahacol®
The Right Adhesive

महाकोल
हीटफिट

सर्वश्रेष्ठ हीट प्रूफ एडहेसिव

5 MINS Setting Time

महाकोल
जलवीर

वॉटर प्रूफ एडहेसिव

Rs.15
TOKEN
PER POUCH

Coverage: 48 – 53 sq. ft / kg

Since 1986
Suzu®
An ISO 9001:2015 Certified Company | CE Certified

36 Growing Years
INDIA'S 1ST STAINLESS STEEL SHACKLE Padlocks ...Series...
INDIA'S 1ST S.S HINGES MANUFACTURER Hinges ...Series...

FROM THE DESK OF CEO

Suzu Steel (India) is one of the leading Companies of India who pioneered in manufacturing of Locks & Door hardware Fittings. Suzu brand was established in 1986 under the guidance of Mr. Sushil Bansal and Mr. Brijbhushan Bansal from Rohtak (Haryana). The company has made tremendous progress in terms of adding manufacturing plants as well as penetrating market all over India. We are proud to see that Mr. Animesh Bansal, Director & Mr. Sachin Bansal, Director both are very progressive and positive about the future of SUZU brand in India. Their guiding force during last few years, company has developed more than 400 direct distributors and wholesalers catering to every corner of India and more than 20000 retailers where SUZU is providing quality products services. We are doing well into the Government , Builders & institutions sectors. During last 3-4 years company has expanded in various ranges in exports all over the world.

SUZU means Quality and appreciated in trade, Institutionals, Government Departments & International Client. We are continuously improving our Quality, Services and multiplying our network worldwide. We are aiming to give our presence within Top 4 Hardware brands of India in next 5 years time. We sincerely thank all our clients, trade partners & consumers for patronizing SUZU brands for their needs of locks & door hardware items.

Success Mantra

"Our entire Sales & Backup support team believe giving best quality & services to achieve consumer satisfaction" which is our success mantra.

Vijay Kumar Dutta
C.E.O.

~ Our Global Associates ~
DUBAI | GERMANY | U.K. | NEPAL | BANGLADESH | BHUTAN | SRI LANKA | NIGERIA | KENYA | TANZANIA

www.suzusteel.com | www.suzu.in

Find us on :

दुनिया की खूबसूरत महिला कारपेंटर चलाती है रंदा मशीन

मुंबई। कारपेंटरी व्यवसाय को पुरुष प्रधान माना जाता है। समय के साथ अब इस क्षेत्र में भी काफी बदलाव हुआ है। कारपेंटरी टूल्स अब ज्यादातर बिजली से चलने वाले बन गए हैं लिहाजा अब इस क्षेत्र में महिलाओं का भी पदार्पण हो रहा है। सोशल मीडिया में इन दिनों 19 वर्षीय लॉरेन लार्सन की खूब चर्चा है। खूबसूरत लॉरेन लार्सन ने कारपेंटरी व्यवसाय को अपनाया है। लॉरेन लार्सन कारपेंटरी के सभी गुर सीख चुकी है। वह डोर, विंडो, किचन, वार्डरोब आदि फर्नीचर बना लेती है। लॉरेन लार्सन शुरू में कारपेंटरी काम करने के लिए हिचक रही थी, क्योंकि उसे डर था कि उसे एक महिला के रूप में आंका जाएगा।

कारपेंटर लॉरेन लार्सन टिक टॉक पर @laurenlarson1 यूजरनेम से अपने वीडियो शेयर करती है। लार्सन का कहना है कि महिला कारपेंटर होने की वजह से उन्हें लोगों की आलोचना झेलनी पड़ती है। लेकिन अब 19 साल की लॉरेन ने आलोचकों को जवाब दिया है। दरअसल, ट्रोल उन्हें कई बार कह चुके हैं कि कारपेंटर का काम महिलाओं के लिए नहीं है।

लॉरेन ने एक वीडियो में कहा कि एक बार तो उन्हें खुद ही, पुरुष प्रधान कारपेंटर इंडस्ट्री में काम करने को लेकर खुद पर संदेह हुआ था। अब उन्होंने फैसला कर लिया है कि वह ट्रोल की बातों पर ध्यान नहीं देंगी और अपने काम को करते हुए खुश रहेगी।

लॉरेन के वीडियो को दो लाख से ज्यादा लोगों ने लाइक किया है, इस वीडियो में वह नारंगी और नीले रंग की यूनिफॉर्म पहने नजर आ रही है। वहीं वह शॉर्ट, हुडी और बूट पहने हुए भी दिखी है। उनके वीडियो पर 1400 लोगों ने कमेंट किया है। कई यूजर्स उनके काम से प्रभावित भी नजर आए। एक यूजर ने लिखा कि यह काम तो वह भी हमेशा करना चाहते थे, पर उन्हें लगता था कि उन्हें इस काम के लिए जज किया जाएगा। इस कमेंट पर लॉरेन ने जवाब दिया कि मैं भी इस बात को लेकर चिंतित थी, पर मुझे लगता है कि आप कोई भी काम करें, लोग आपके काम को लेकर हमेशा जज करेंगे, ऐसे में आपको अपने काम को इंजॉय करना चाहिए। वहीं कई लोगों ने लॉरेन से यह भी पूछा कि वे जानना चाहेंगे कि आखिर वह इस प्रोफेशन में कैसे आईं।

दहेज में मिला पलंग टूटा तो टूट गई शादी

हैदराबाद। हैदराबाद में एक लड़के ने सिर्फ इस बात के लिए शादी तोड़ दी, क्योंकि उसे दहेज में मिला पलंग टूट गया। बस ड्राइविंग का काम करने वाले मोहम्मद जकीर की शादी 19 फरवरी को होनी थी, लेकिन वह बारात लेकर नहीं पहुंचा। जब दुल्हन का पिता उनके घर गया तो जकीर ने कहा कि उन्हें दहेज में सेकंड हैंड फर्नीचर दिया है, इसलिए उसने शादी तोड़ दी है।

जब दुल्हन के पिता ने पूछताछ की तो पता चला कि जकीर के परिवार ने शादी तोड़ दी है। हिना के पिता के मुताबिक जब वह दूल्हे के घर गए तो परिवार ने दहेज में दिए फर्नीचर पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि फर्नीचर सेकंड हैंड है। लड़की के पिता ने गृहस्थी के सामान में कुछ सामान पहली शादी का भी भेजा था, जिसमें पलंग टूट गया था। स्कूल बस ड्राइविंग का काम करने वाले जकीर और हिना फातिमा दोनों की ही यह दूसरी शादी थी। हीना बदलागुडा की रहमत कॉलोनी में रहती है। सारी तैयारियां हो गई थीं। मेहमान आ गए थे और पकवान भी बन चुके थे। दुल्हन का परिवार बारात का इंतजार कर रहा था, लेकिन बारात नहीं आई।

तापड़िया के निधन से उद्योग क्षेत्र में शोक की लहर

मुंबई। प्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी एच. एन. तापड़िया का 90 वर्ष की आयु में 5 मार्च को निधन हो गया। वे विगत कुछ दिनों से बीमार थे और उनका ब्रीच कैंडी अस्पताल में इलाज चल रहा था। एच. एन. तापड़िया एक सफल उद्यमी थे। उन्होंने 1969 में तापड़िया टूल्स लिमिटेड की स्थापना की थी, जिसे देश की सबसे बड़ी हैंड टूल्स कंपनी तापड़िया के नाम से जाना जाता है। वे एक कर्मयोगी की तरह लगातार कंपनी की कमान संभाले हुए थे। वे अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं।

प्लाईवुड एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजीत चावला का निधन

जगाधरी। ऑल इंडिया प्लाईवुड एसोसिएशन के अध्यक्ष मंजीत चावला का निधन हो गया। मंजीत चावला बीते कुछ समय अस्वस्थ चल रहे थे। उनके निधन पर विभिन्न सामाजिक, धार्मिक, व्यापारिक व राजनैतिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने दुख व्यक्त किया है। हरियाणा के शिक्षा मंत्री चौधरी कंवरपाल गुर्जर, अग्रवाल युवा मंच के आशीष मित्तल, अग्रवाल सम्मेलन के पदाधिकारी पंकज मित्तल, हरियाणा व्यापारी कल्याण बोर्ड के जिला प्रधान मनोज गुप्ता, व्यापारी संगठन के प्रदीप अग्रवाल, वृद्धाश्रम विश्राम पार्क ट्रस्ट के पदाधिकारी बलराम सेठी, हरियाणा प्लाईवुड मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन के जिला प्रधान सतीश चौपाल आदि ने मंजीत चावला के निधन पर शोक जाते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किए।

यमुनानगर प्लाईवुड उद्योग पर छाया संकट

मुंबई। प्लाईवुड की गुणवत्ता के मामले में यमुनानगर में बनने वाली प्लाईवुड को बेहतर माना जाता है। लेकिन केरल और नेपाल से आने वाली प्लाईवुड ने यमुनानगर में चल रही उत्तर भारत की प्लाईवुड उद्योग की कमर तोड़ दी है। केरल और नेपाल की प्लाईवुड की तुलना में यमुनानगर के प्लाईवुड की कीमत अधिक होने कारण गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश व कर्नाटक के साथ दक्षिण भारत के राज्यों में यमुनानगर प्लाईवुड की मांग घटने लगी है।

हरियाणा की प्लाईवुड मैन्युफैक्चरिंग की 400 से अधिक फैक्ट्रियां इस समय संकट के दौर से गुजर रही हैं। इनमें 300 से अधिक यमुनानगर जिले में ही हैं। मीडिया खबरों के मुताबिक दूसरे राज्यों के लिए होने वाली प्लाईवुड की आपूर्ति पिछले एक साल में सिर्फ एक तिहाई रह गई है। बिक्री घटने से उत्पादन कम करने को मजबूर हुए उद्यमी अब कामगारों की संख्या घटाने पर विचार कर रहे हैं।

उनका कहना है कि करीब एक साल से नेपाल से बड़ी मात्रा में प्लाईवुड की आपूर्ति भारत में की जा रही है। उत्तर प्रदेश और बिहार की सीमा नेपाल से लगने के कारण इन दोनों राज्यों में यहां की प्लाईवुड काफी आ रही है। वहीं केरल में बन रही प्लाईवुड महाराष्ट्र, कर्नाटक, मध्य प्रदेश और गुजरात में जा रही है। यमुनानगर से अगर 18 एमएम का प्लाईबोर्ड महाराष्ट्र या गुजरात भेजा जाता है तो वह जीएसटी और मालभाड़ा मिलाकर 57-58 रुपये प्रति वर्ग फुट का पड़ता है। वहीं केरल से यही बोर्ड 47 से 48 रुपये में उपलब्ध होता है, जबकि नेपाल से आने वाली प्लाईवुड का खर्च तो इससे भी कम आता है। इन राज्यों को यमुनानगर से प्लाईवुड मंगवाने पर 6 रुपये प्रति वर्ग फुट मालभाड़ा देना पड़ता है, जबकि केरल से यह मात्र 2 रुपये प्रति वर्ग फुट पड़ता है। केरल से समुद्र के रास्ते गुजरात के कांडला बंदरगाह पर प्लाईवुड लाने पर खर्च हरियाणा से सड़क मार्ग से ले जाने की तुलना में काफी कम है। प्रदेश में प्लाईवुड का सालाना टर्नओवर करीब 2,000 करोड़ रुपये का है। प्रदेश की 70 फीसदी प्लाईवुड फैक्ट्री यमुनानगर में हैं। करीब 1,400 करोड़ का टर्नओवर यमुनानगर से है।

फर्नीचर कारोबारी के बेटे का मिला शव

पानीपत। दिल्ली के नरेला से लापता फर्नीचर कारोबारी के बेटे का पानीपत में ढिंढार के पास नहर में शव मिला। पुलिस ने शव को नहर से बाहर निकाला। तलाशी के दौरान मृतक के पास से मोबाइल और पांच हजार रुपये मिले। पुलिस ने सिमकार्ड निकालकर अपने फोन में डालकर परिजनों को शव मिलने की सूचना दी। परिजन पानीपत पहुंचे और शिनाख्त करने के बाद परिजनों ने हत्या करने की आशंका जताई।

दिल्ली के नरेला स्थित गौतम कॉलोनी निवासी धनीराम ने मीडिया को बताया कि उसके भाई अनिल की दिल्ली में फर्नीचर का कारोबार है। अनिल का इकलौता बेटा अक्षय बीसीए की पढ़ाई पूरी करने के बाद सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहा था। 23 फरवरी को शाम चार बजे उसने अपनी मां अनीता से चाय बनवाई, नाश्ता किया और टहलने की बात कहकर घर से निकल गया। वह रात करीब आठ बजे घर नहीं लौटा तो उन्होंने खाना खाने के लिए कॉल किया, लेकिन फोन स्विच ऑफ मिला। उन्होंने दोस्तों को कॉल कर पूछताछ की लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। इसके बाद उन्होंने मामले की शिकायत नरेला थाना पुलिस को दी। 28 फरवरी को पानीपत में समालखा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ढींढार गांव के पास नहर में अक्षय का शव मिला।

रजिस्ट्रेशन ऑफ न्यूज पेपर (सेंट्रल) रूल्स 1956 के अंतर्गत **कारपेंटर्स न्यूज** पत्र के संबंध में स्वामित्व तथा अन्य विवरण विषयक जानकारी।

घोषणा

(फार्म -4)

1 - प्रकाशन का स्थान	:	306 दिघे नगर को. ऑप. हाऊसिंग सोसायटी, फितवाला रोड, एलफिंस्टन (वेस्ट) मुंबई - 400 013
2 - प्रकाशन की अवधि	:	मासिक
3 - मुद्रक का नाम	:	गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा
राष्ट्रीयता	:	भारतीय
पता	:	306 दिघे नगर को. ऑप. हाऊसिंग सोसायटी, फितवाला रोड, एलफिंस्टन (वेस्ट) मुंबई - 400 013
4 - प्रकाशक का नाम	:	गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा
राष्ट्रीयता	:	भारतीय
पता	:	306 दिघे नगर को. ऑप. हाऊसिंग सोसायटी, फितवाला रोड, एलफिंस्टन (वेस्ट) मुंबई -400 013
5 - संपादक का नाम	:	गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा
राष्ट्रीयता	:	भारतीय
पता	:	306 दिघे नगर को. ऑप. हाऊसिंग सोसायटी, फितवाला रोड, एलफिंस्टन (वेस्ट) मुंबई - 400 013
6 - उन व्यक्तियों के नाम और पते जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार या हिस्सेदार हों	:	गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा 306 दिघे नगर को. ऑप. हाऊसिंग सोसायटी, फितवाला रोड, एलफिंस्टन (वेस्ट) मुंबई -400 013

मैं गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा घोषित करता हूँ कि मेरी जानकारी और विश्वास के मुताबिक ऊपर लिखित विवरण सही है।

स्थानः मुंबई
दिनांक : 10 मार्च 2023

हस्ताक्षर
(गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा)
प्रकाशक

हरीसन सुविधा स्कीम

HARRISON

कारपेंटर

भाइयो के लिए
आकर्षक स्कीम आज ही
रजिस्टर्ड
करें और पाएं मौका अनेको
उपहार
जितने का

टोल फ्री नम्बर : 1-800-572-5795 Website: www.harrisonlocks.com | Find us on :

नॉटः- ऊपर दर्शायी गई फोटो सिर्फ उपहार को दर्शाने हेतु है मिलने वाला उपहार इनमे से भिन्न हो सकता है : रंग मॉडल इत्यादि।

बनो हरीसन का
Mr. आनंद
और रहो हमेशा आनंद में

जब फायदे से हो प्यार तो फिर क्यों इंतज़ार
आज ही जुड़ें हरीसन Suvidha Locks & Hardware Solutions के साथ और
पाओ अनेको उपहार

उपहार जितने की प्रक्रिया

स्टेप 1: हरीसन सुविधा एप्प डाउनलोड करें और लॉग इन करें
स्टेप 2: प्रोडक्ट पर लगे MPR स्टीकर को जमा करें हर एक MPR पर पॉइंट पाएं
स्टेप 3: निर्धारित पॉइंट्स जमा होने पर, उपहार जीते

चेयरमैन क्लब कारपेंटर

SMART LED TV WINNER

REFRIGERATOR WINNER

SMART PHONE WINNER

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
+91 9355015108

हरीसन सुविधा एप्प डाऊनलोड करने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

हरीसन का Mr. आनंद मुख्य सेवा प्रदाता (Service Provider)
Mr. आनंद बनते ही पाएं अपने क्षेत्र के सारे कारपेंटर सम्बंधित कार्य सबसे पहले

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:-
www.harrisonlocks.com | email : Info@harrisonlocks.com
9355-015-108

R | P | Locks Company
Harrison House 13 & 14, Central Market, Punjabi Bagh (West), New Delhi-110026
E-mail: info@harrisonlocks.com / enquiry@harrisonlocks.com
Call 09310142401 for All India sale, Distributors & C&F Queries for institutional, Architects & Bulk Buyers Enquires

स्कैन करें
लाभ उठाएं।

हरीसन

www.harrisonlocks.com

हरीसन कर रहा है लगातार बड़े पैमाने पर कारपेंटर सम्मेलन एवम प्रशिक्षण

कारपेंटर एप्लिकेशन हमारे द्वारा नए आवेदकों के पंजीकरण के लिए शुरू किया गया है - कारपेंटर और उनकी हर गतिविधि की रिकॉर्डिंग फल देने वाली है। कारपेंटर की हमारी टीम कई गुना बढ़ गई है। बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं और ऐप के माध्यम से रिकॉर्ड में रखी जाती हैं।

कारपेंटर के लिए विभिन्न प्रकार के प्रोत्साहन उपलब्ध हैं, सर्वोत्तम योगदानकर्ताओं को कुछ प्रकार के प्रोत्साहन वितरित किए जाते हैं, जो योजना के अनुसार नकद से लेकर टीवी, रेफ्रिजरेटर आदि और कई अन्य **वॉशिंग मशीन, एलईडी टीवी, स्मार्ट फोन सहित विभिन्न पुरस्कार जीते हैं, इसके अलावा 50,000 तक के नकद पुरस्कार भी जीते हैं**। हम अपने विभिन्न केंद्रों पर कौशल-विकास प्रशिक्षण भी प्रदान कर रहे हैं, जिसमें **5-सितारा होटल, प्रदर्शनी हॉल,** वितरक के शो रूम और थोक विक्रेताओं/ डीलरों के स्थान शामिल हैं। कारपेंटर बड़ी संख्या में लाभान्वित हो रहे हैं और अत्यधिक पैमाने पर कौशल हासिल कर रहे हैं जिसके बारे में सोचा नहीं गया था। कारपेंटर का काम करने के इच्छुक अकुशल व्यक्ति भी हमारे अपने खर्चे पर कुशल हैं, यदि ऐसे व्यक्ति हमसे जुड़ना चाहते हैं।

जिन्हें एप्लिकेशन के माध्यम से प्रकाशित और वितरित किया जाता है। प्रत्येक बैठक के दौरान हैं। कारपेंटर का प्रचार/ विज्ञापन कारपेंटर के मासिक समाचार पत्र में मासिक आधार पर प्रकाशित किया जाता है, जो हर महीने की 10 तारीख को प्रकाशित होता है- और अन्य शहरों के अलावा दिल्ली में भी प्रसारित होता है। कृपया प्ले स्टोर पर उपलब्ध हमारे हरीसन सुविधा ऐप पर जाएं। बड़ी संख्या में कारपेंटरों ने हमारी हरीसन सुविधा योजना का लाभ उठाया है और **मोटर-साइकिल, टीवी/ फ्रिज/**

उत्तराखंड खटीमा में हुआ कारपेंटर सम्मेलन :-

हरीसन ने 31 दिसंबर 2022 को खटीमा में कारपेंटर सम्मेलन का आयोजन किया। हरीसन ने इस शुभ अवसर पर निम्नलिखित कारपेंटर को पुरस्कार वितरण कर कारपेंटरों का उत्साह बढाया|

1 अजीज खान - 4k रियलमी स्मार्ट फोन। 2022 की 12 महीने की अवधि के लिए कारपेंटर कूपन को जमा कर जीता।

5 सुनील कुमार - 2022 की 12 महीने की अवधि के लिए कारपेंटर कूपन को जमा कर जीता। 3100 / - का नकद पुरस्कार।

एलईडी टीवी - 43 इंच - कीमत 25,000/- 2022 की 12 महीने की अवधि के लिए कारपेंटर कूपन को जमा कर जीता।

2 उस्मान - कीमत 17,500/- का सैमसंग रेफ्रिजरेटर। 2022 की 12 महीने की अवधि के लिए कारपेंटर कूपन को जमा कर जीता।

3 रजनीश - व्हर्लपूल वॉशिंग मशीन की कीमत 14500/- से श. 2022 की 12 महीने की अवधि के लिए कारपेंटर कूपन को जमा कर जीता।

4 नईम - 9000/- का सैमसंग

6 इकबाल अंसारी- 2100/- का नकद पुरस्कार। 2022 की 12 महीने की अवधि के लिए कारपेंटर कूपन को जमा कर जीता |

7 प्रदीप 1100/- का नकद पुरस्कार। 2022 की 12 महीने की अवधि के लिए कारपेंटर कूपन को जमा कर जीता।

कारपेंटर का काम करने के इच्छुक 128 अकुशल कारीगर को बुनियादी गतिविधियों का प्रशिक्षण देकर अपने खर्चे पर कुशल भी बनाया गया। हरीसन फर्नीचर उद्योग और अन्य सहायक उद्योगों के लिए प्रशिक्षित कारपेंटर की उपलब्धता बढ़ाने के लिए सामाजिक सेवा कर रहा है- हरीसन सुविधा ऐप प्ले स्टोर पर उपलब्ध है जिसमें हरीसन में दिन-प्रतिदिन बढ़ई से संबंधित गतिविधियों का हर समय का विवरण है। क्योंकि कारपेंटरों को दिए जा रहे विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण दर्ज किए जाते हैं। कारपेंटर सम्मेलन भी नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं और आवेदन में दर्ज की जाती हैं। अभी तक लगभग 51,000 कारपेंटर वर्तमान में हरीसन के साथ जुड़कर कुशल हो चुकें हैं।

कारपेंटरों ने लॉन्च की हरीसन मेन डोर लॉक

अलीगढ। हरीसन लॉक्स के नए मेन डोर लॉक की लॉन्चिंग कारपेंटरों के द्वारा की गई।

30 दिसम्बर को अलीगढ स्थित एक होटल में हरीसन ***"में हूँ मिस्टर आनंद स्कीम"*** की मीटिंग में उपस्थित फर्नीचर ठेकेदारों के बीच इस नए मेन डोर लॉक की लॉन्चिंग की गई। पहले में भी हरीसन लॉक्स के कई उत्पादों की लॉन्चिंग कारपेंटरों के द्वारा की जा चुकी है। हरीसन ***"में हूँ मिस्टर आनंद स्कीम"*** की मीटिंग में शामिल कारपेंटरों में लक्की ड्रा निकाली गई। लक्की ड्रा विजेता जुल्फिकार अहमद को रेफ्रिजरेटर देकर सम्मानित किया गया।

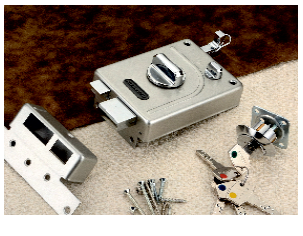

सेफ्टी डिवीज़न में **देश का भरोसेमंद ब्रांड हरीसन** झल्द ही शुरू करने जा रही है कारपेंटर्स के लिए क्यू आर स्कैनिंग फीचर जिसके तहत अब कारपेंटर्स आसानी से जीत सकते है अनेकों उपहार मात्र क्यू आर स्कैन करके | कारपेंटर्स को हरीसन के प्रोडक्ट के पैकिंग के ऊपर लगे क्यू आर को स्कैन करना है स्कैन करते ही पूंजीकृत कारपेंटर्स के प्रोफाइल आई डी पर पॉइंट अपने आप दर्ज हो जाएगा | यह सुविधा हरीसन ने कारपेंटर्स की सहूलियत के लिए किया है जिससे अब कारपेंटर्स को किसी भी प्रकार के प्रोडक्ट के पैकिंग की कट्टिंग रखने की आवश्यकता नहीं होगी | अब कारपेंटर्स मात्र क्यू आर स्कैन करके ही जीत सकते है अनेको उपहार |

हरीसन न्यू लॉन्च प्रोडक्ट

हरीसन लांच कर रही है नए प्रोडक्ट्स लगातार बार बार नए नए सुधार के साथ

ADVT

प्रभु की शरण में मिलता है सच्चा सुख : हरि चैतन्य पुरी

भरतपुर। तीर्थराज विमल कुंड स्थित श्री हरि कृपा आश्रम के संस्थापक एवं श्री हरि कृपा पीठाधीश्वर स्वामी श्री हरि चैतन्य पुरी जी महाराज ने श्री हरि कृपा आश्रम में विशाल भक्त समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि दुख, अशांति, कलह-क्लेश उलझन, शोक, भय आदि से लाख प्रयास करके भी लोग बच नहीं पा रहे हैं। बहुत से लोगों को देखें तो उस हिरण की तरह है जो जाल में से निकलने की कोशिश करता है परंतु अपने सिंगो के भी कारण उस जाल में और भी फंसता चला जाता है। सुख-दुख, हानि-लाभ, जीवन- मृत्यु अनुकूल - प्रतिकूल, यश- अपयश इत्यादि विभिन्न प्रकार की परिस्थितियां आती जाती रहती है। संसार परिस्थितियों प्राणी- पदार्थ इत्यादि सभी परिवर्तनशील है, परंतु विचारशील प्राणी कभी भी किसी भी हाल में धर्म व परमात्मा का साथ कभी नहीं छोड़ता।

सुख के साधन होना व सुखी होना दोनों में बहुत अंतर है। सच्चा सुख धर्म व परमात्मा की शरण में ही प्राप्त होगा। महाराज ने कहा कि रोग, शोक, भय, चिंता अशांति आदि के कारण खोज कर दूर करो तो उपाय निष्फल नहीं होंगे। ढोंग, पाखंड, अंधविश्वास, रूढ़िवादिताओं पर महाराज श्री ने तीखा प्रहार किया। आज वास्तु शास्त्र के बढ़ते प्रचलन के बारे में कहा कि लोग आज वास्तु के अनुसार तोड़फोड़ कर मकान की दिशा बदलते हैं, लाभ तो स्वयं को बदलने से ही होगा। भाग्य- भाग्य का रोना रोने से कुछ नहीं होने वाला। अनेक अंगूठियां व नग पहनने व वार, दिशा के हिसाब से करने मात्र से कुछ नहीं होता। सही दिशा में प्रयास, हृदय से परमात्मा का स्मरण, यथासंभव सभी को शुभकामनाओं व शुभाशीर्वाद कार्य के प्रति लगन निष्ठा व उत्साह सफलता में सहायक होंगे। उन्होंने परिवार, नगर, राष्ट्र व समाज में आपस में मिलजुल कर प्रेम एकता व सदभाव को बनाए रखने व बढ़ावा देने पर बल दिया।

स्वार्थी लोगों ने प्राचीन ग्रंथों में गलत तथ्य जोड़े

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि भारत के पारंपरिक ज्ञान का विशाल भंडार है। कुछ स्वार्थी लोगों ने प्राचीन ग्रंथों में जानबूझ कर गलत तथ्य जोड़े हैं, जबकि कुछ ग्रंथ गुम हो गए हैं। उन्होंने कहा कि जो चीजें पहले छूट गई थीं, उन्हें नई शिक्षा नीति के तहत तैयार किए गए सिलेबस में जोड़ा गया है। भागवत ने यहां

विदेशी आक्रमण आर्यभट्ट से ज्ञान की खगोल उद्यान के उद्घाटन के अवसर पर कहा कि सभी भारतीयों को देश के पारंपरिक ज्ञान के बारे में जानकारी होनी चाहिए कि उस ज्ञान को हमने कैसे लोगों से सामान्य संवाद और शिक्षा प्रणाली के जरिये प्राप्त किया था। संघ प्रमुख ने कहा कि ऐतिहासिक रूप से भारत के पास चीजों को देखने का नजरिया वैज्ञानिक था, लेकिन विदेशी आक्रमण के साथ ही हमारा तंत्र और ज्ञान की संस्कृति खंडित हो गई।

अगरबत्ती जलाना भी हो सकता है खतरनाक

मुंबई। घर के अंदर लकड़ी, मोमबत्तियां या धूप जलाना, घर के अंदर सिगरेट पीना, वातावरण में धूल आदि से हृदय रोग का खतरा हो सकता है। मैक्स हॉस्पिटल साकेत के कैथ लैब डायरेक्टर डॉ. विवेक कुमार के अनुसार वायु प्रदूषण के लंबे समय तक संपर्क में रहने से हार्ट अटैक और अन्य हृदय रोग का जोखिम पैदा हो सकता है। इससे ब्लड क्लॉट बनने

की अधिक आशंका होती है, ब्लड प्रेशर बढ़ने लगता है क्योंकि हृदय रक्त को शरीर के अन्य हिस्सों तक पहुंचाने के लिए तेजी से पंप करता है जो ठीक से प्रवाहित नहीं हो पाता है। इसके साथ ही यह आपके दिल की विद्युत प्रणाली को प्रभावित करता है जो दिल की धड़कन को नियंत्रित करता है। जिसकी वजह से हार्ट फेल भी हो सकता है। जिन लोगों को पहले से ही कोई दिल की समस्या है उन्हें हार्ट अटैक भी आ सकता है। डॉ. विवेक के अनुसार संतुलित आहार लेने से आपके शरीर में वायु प्रदूषण से होने वाले नुकसान से निपटने में मदद मिल सकती है।

जिस भगवान को हम नहीं जानते, उसका स्मरण कैसे करें?

मत करो स्मरण! लेकिन जिसे तुम जानते हो, उससे पूरी तरह असंतुष्ट तो हो जाओ। जहां तुम खड़े हो, उस जमीन को तो व्यर्थ समझ लो। तो तुम्हारे पैर आतुर हो जाएंगे उस जमीन को खोजने के लिए, जहां खड़ा हुआ जा सके। जिस नाव पर तुम बैठे हो, उसे तो देख लो कि वह कागज की है। कोई फिक्र नहीं कि दूसरी नाव का हमें कोई पता नहीं है और हमें कोई पता नहीं है कि कोई किनारा भी मिलने वाला है।

हमें कोई पता ही नहीं है कि कोई और खिवैया भी हो सकता है। लेकिन यह नाव, जिस पर तुम बैठे हो, कागज की है या सपने की है, जरा नीचे इसकी तलाश कर लो। और जिस आदमी को पता चल जाए कि मैं कागज की नाव में बैठा हूं, पता है वह क्या करेगा? कम से कम चीख कर रोएगा, चिल्लाएगा। पता है कि कोई सुनने वाला नहीं है, तो भी मैं कहता हूं वह चिल्लाएगा और रोएगा। कोई किनारा हो या न हो, और कोई निकट हो या न हो, उस स्वात निर्जन में भी उसका रुदन तो सुनाई ही पड़ेगा, उसके प्राण तो चिल्लाने ही लगेंगे कि मैं कागज की नाव में बैठा हूं, अब क्या होगा? इस घटना से ही, इस विव्हलता से ही अचानक हृदय का एक नया यंत्र शुरू हो जाता है। हृदय में दो यंत्र हैं। वैज्ञानिक से पूछने जाएंगे, तो वह कहेगा, फेफड़े के अतिरिक्त हृदय में और कुछ भी नहीं है, फुफफुस है। पंपिंग सेट के सिवाय वहां कुछ भी नहीं है। वह सिर्फ श्वास को फेंकने और खून को शुद्ध करने का काम करता है। एक पंपिंग की व्यवस्था है। वैज्ञानिक से पूछने जाएंगे, तो कहेगा हृदय जैसी कोई भी चीज नहीं है, फेफड़ा है, फुफफुस है, लेकिन शब्द हम सदा हृदय का उपयोग करते हैं, हालाकि हमारे पास भी फुफफुस है अभी, अभी हृदय नहीं है।

हृदय उस फेफड़े का नाम है, जो दूसरे संसार में श्वास लेना शुरू करता है। यह फेफड़ा तो इसी संसार में श्वास लेता है, यही आक्सीजन और कार्बन डायआक्साइड के बीच चलता है। एक और भी आक्सीजन है, एक और प्राणवायु है, एक और प्राणवान जीवन है, जब वह शुरू होता है, तो इसी फुफफुस के भीतर एक और हृदय है, जिसमें नई श्वास और नई धड़कन शुरू हो जाती है। वह धड़कन अमृत की धड़कन है। तो दूसरी बात है,

ओशो वाणी

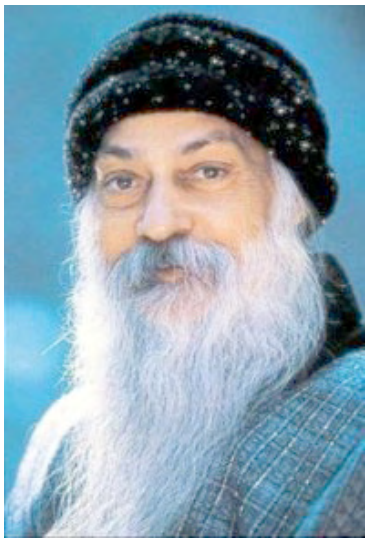

विव्हलता। और तीसरी बात है, समर्पण।

पहली बात है, यह जो चारों तरफ है, यह व्यर्थ हो जाए, तो ही आंख उठेगी। आंख उठे, कुछ दिखाई न पड़े, जो था, वह छूट जाए, जो मिलने को है, वह मिले नहीं, बीच में आदमी अटक जाए तो विव्हलता पैदा होगी। घबड़ाहट पैदा होगी, एक बेचैनी पैदा होगी। कीर्कगार्ड ने कहा है, एक ट्रेबलिंग, एक कंपन पैदा होगा। एक चिंता पैदा होगी कि अब क्या होगा? जो नाव थी वह छूट गई, नई नाव पर पाव नहीं पड़े, अब तो लहर पर ही खड़े हैं, अब क्या होगा? इस वि''लता में घटना घटेगी। और तीसरी बात है, समर्पण। समर्पण का अर्थ है, जब उस नए हृदय की धड़कन शुरू हो जाए, तो समग्र भाव से, अत्यंत श्रद्धापूर्वक, पूरे ट्रस्ट से, भरोसे से उस नए जीवन में प्रवेश कर जाना। उस नए जीवन को सौंप देना अपनी बागडोर। कहना कि तू मुझे खींच ले।

दो तरह से एक आदमी नाव में जाता है। एक तो नाव होती है, जिसमें हाथ से खेना पड़ता है। एक नाव होती है, जिसमें पाल लगा होता है। हवा बहती है पूरब की तरफ और पाल खोल देते हैं, तो हवा ही नाव को खींचकर ले जाती है।

ध्यान रहे, संसार का जो जगत है, वहां जिस नाव से हमें चलना पड़ता है, वहां खेना होता है, वहां प्रत्येक आदमी को मेहनत उठानी पड़ती है, पतवार चलानी पड़ती है। तब भी चलता नहीं कुछ, कहीं पहुंचते नहीं। पतवार चलती है बहुत, परेशान बहुत होते हैं, दौड़ धूप, पूरी जिंदगी डूब जाती है, किनारा विनारा कभी मिलता नहीं। वही सागर की लहरें ही कब सिद्ध होती हैं। लेकिन मेहनत करनी पड़ती है। यहां इंच भर अगर आप रुके, तो डूब जाएंगे। कारण, पूरे वक्त लगे रहना पड़ता है बचने में। यहां क्षणभंगुर है सब। यहां पूरे वक्त लगे रहेंगे, तब भी डूबेंगे! लेकिन जितनी देर बचे रहे, उतनी देर बचे रहेंगे।

एक दूसरा लोक है, जिसकी मैं बात कर रहा हूं, जिसकी कृष्ण बात कर रहे हैं। उस लोक में आपको पतवार नहीं चलानी पड़ती। वहां पतवार लेकर पहुंच गए तो आप मुश्किल में पड़ेंगे। वहा तो उस परमात्मा की हवाएं ही आपकी नाव को ले जाने लगती हैं। आपको सिर्फ छोड़ देना पड़ता है। लेकिन जिसको पतवार चलाने की आदत है और कभी उस पाल वाली नाव में नहीं बैठा है, वह पाल वाली नाव में बैठकर बहुत घबराएगा कि पता नहीं कहां जाऊंगा? क्या होगा, क्या नहीं? उतर जाऊं? क्या करूं? या पतवार भी चलाऊ? समर्पण का अर्थ है, तुम अपनी पतवार मत चलाना। वह तुम्हें जहां ले जाए, तुम वहीं चले जाना। छोड़ देना अपने को। तो कृष्ण कहते हैं, ऐसा जो छोड़ देता है सब, वह मुझे उपलब्ध हो जाता है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक-गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा द्वारा 306, दिघे नगर को आप हाउसिंग सोसायटी, फितवाला रोड, एलफिन्स्टन (वेस्ट), मुंबई-40013 से प्रकाशित एवं एस आर पब्लिकेशन, मोहन अर्जुन कम्पाउंड, गाला नम्बर-8, 9, 10, घर्टनपाढा, वैशाली नगर लास्ट बस स्टॉप, नियर भारत गैस गोडाउन, दहिसर (ईस्ट), मुंबई- 400068 से मुद्रित। संपादक - गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा* RNI NO. MAHHIN/2005/16460 मो. 09320566633. (सभी विवादों का निपटारा न्यायक्षेत्र केवल मुंबई न्यायालय के अधीन होगा. *पी. आर. बी. अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

कारपेन्टर/कोन्ट्राक्टर भाइयों के लिये टोकन / कटर मशीन / ड्रील मशीन ऑफर

EURO® 7000
SYNTHETIC WOOD ADHESIVE

अब
800 Gm
पाउच में उपलब्ध

ड्रम पैक साइज
800 Gm X 70 Pouches

ड्रम पैक	ऑफर
यूरो एडहेसिव WP 2IN1 के एक ड्रम पर पाइये स्पेशल ऑफर 800 Gm X 70 Nos	15 Rs. टोकन / पाउच अथवा कटर मशीन अथवा ड्रील मशीन

15 Rs/-
टोकन / पाउच

अथवा

अथवा

सेस्को नेल्स : गुणवत्ता और विश्वसनीयता का प्रतीक

मुंबई। सेस्को इंडस्ट्रीज आयरन कील बनाने वाली प्रमुख कंपनी है। सेस्को नेल्स हार्डवेयर की दुकानों पर सबसे अधिक बिकने वाली कील है। अजीत लखोटिया और माधुरी अजीत लखोटिया ने 2013 में सेस्को इंडस्ट्रीज की स्थापना की थी। बहुत ही कम समय में सेस्को इंडस्ट्रीज के आयरन कील 'सेस्को नेल्स' फर्नीचर कारीगरों, शटरिंग कारपेंटरों, पैकेजिंग आदि के क्षेत्र में भरोसेमंद बन गया।

सेस्को इंडस्ट्रीज ISO 9001 द्वारा स्थाई प्रमाणित कंपनी है। सेस्को नेल्स के उत्पादन में हर पहलू पर ध्यान दिया जाता है, जिससे इसके उत्पाद गुणवत्ता, स्थायित्व और उत्कृष्टता के प्रतीक बन गए।

सेस्को इंडस्ट्रीज के अजीत लखोटिया का मानना है कि हम अपने ग्राहकों को उच्चतम संतुष्टि प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सेस्को इंडस्ट्री की टीम नए उद्यम को दुनिया के साथ साझा करने के लिए उत्साहित है। सेस्को नेल्स नए ब्रांड के रूप में निश्चित रूप से एक गेम परिवर्तक होगा, जो नेल्स को समझने और उपयोग करने के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव करेगा।

सेस्को नेल्स ने खुद को हार्डवेयर और निर्माण उद्योगों के भीतर एक प्रतिष्ठित और सम्मानित ब्रांड के रूप में मजबूती से स्थापित किया है। इसकी त्रुटिहीन गुणवत्ता प्रसिद्ध है और इसका डायमंड-पॉइंट डिज़ाइन, जो सरलता से वुड में प्रवेश की अनुमति देता है। सेस्को नेल्स में चमकीली पॉलिश और जंग प्रतिरोधी जिंक चढ़ा होता है जो सबसे सभी मौसमों के वातावरण में भी दीर्घायु और स्थायित्व की गारंटी देता है।

सेस्को इंडस्ट्रीज का वितरण नेटवर्क मुंबई के साथ देश के सभी राज्यों में तेजी से बढ़ रहा है। मुंबई में करीब 600 हार्डवेयर की दुकानों में सेस्को नेल्स की नियमित बिक्री हो रही है। सेस्को नेल्स 100 ग्राम, 200 ग्राम और 400 ग्राम की छोटी पैकेजिंग के साथ-साथ 1 किग्रा और 2 किग्रा की थोक आकर्षक पैकेजिंग उपलब्ध है। सेस्को इंडस्ट्रीज और उनके उत्पादों के बारे में अधिक जानकारी के लिए अजीत लखोटिया से 9820352335 पर संपर्क किया जा सकता है।

फर्नीचर कारोबारी के ठिकाने पर छापा

बीरमित्रपुर। बीरमित्रपुर वन विभाग की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर महुआ टोली के एक

फर्नीचर कारोबारी के ठिकाने पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान 30 घन फीट सागवान, साल समेत अन्य इमारती लकड़ी जब्त की गई। महुआ टोली निवासी नंदकिशोर गोप अपने घर में सोफा सेट, पलंग समेत अन्य फर्नीचर बनाकर बेचता था। इसके लिए वह अवैध सागौन लकड़ी का उपयोग कर रहा था। वन विभाग को इसकी सूचना मिलने पर दोपहर को रेंजर नूतन कुमार की अगुवाई में टीम के द्वारा छापेमारी की गई। उसके घर से इमारती लकड़ी के पट्टे व विभिन्न आकार की लकड़ी बरामद की गई, जिसकी कीमत 30 हजार रुपये से अधिक आंकी गई है। आरोपी को गिरफ्तार कर उसे कोर्ट में पेश किया गया।

नौ दिनों का होगा नवरात्रि

मुंबई। शक्ति की आराधना का महापर्व चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से शुरू होगा। इस बार नवरात्रि व्रत में चार योग का महासंयोग बन रहा है।

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के सदस्य पंडित दीपक मालवीय के अनुसार चैत्र नवरात्रि इस बार पूरे नौ दिनों की होगी। इस बार तीन सर्वार्थ सिद्धि, तीन रवि योग, दो अमृत सिद्धि योग और गुरु पुष्य का संयोग बन रहा है। सर्वार्थ सिद्धि योग 23, 27 और 30 मार्च को लगेगा। अमृत सिद्धि योग 27 व 30 मार्च को और रवि योग 24, 26 व 29 मार्च को लगेगा। नवरात्रि के अंतिम दिन रामनवमी पर गुरु पुष्य योग का महासंयोग बन रहा है। नवरात्रि का पारण 31 मार्च को होगा। इस बार माता का आगमन नौका और प्रस्थान डोली पर होगा।

प्लाई लदी पिकअप पलटी, दो की मौत

गाजीपुर। भांवरकोल थाना क्षेत्र के चांदपुर गांव के पास पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर प्लाई लदी मैजिक गाड़ी पलटकर खाई में गिरने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि हादसे में दो लोग घायल हो गए। प्लाई लदी मैजिक लखनऊ से मुहम्मदाबाद की ओर आ रही थी। मैजिक में सवार आदिलाबाद निवासी प्रदीप शर्मा और बालापुर निवासी सोनू गंभीर रूप से घायल हो गए, उपचार के लिए जिला अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दोनों की मौत हो गई। चालक राजू बिंद और नजरुद्दीन को वाराणसी ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। नजरुद्दीन मुहम्मदाबाद में फर्नीचर का दुकान चलाता है। जिसके यहां सोनू शर्मा और प्रदीप शर्मा काम करते थे। वहां से मैजिक पर प्लाई लेकर वापस मुहम्मदाबाद लौट रहे थे। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर चांदपुर के पास पहुंचे थे कि वाहन अनियंत्रित होकर सड़क के साइड में बने बैरिकेड को तोड़ते हुए नीचे जाकर पलट गई।

कंपनी की सफलता के पीछे प्रोडक्ट की क्वालिटी

मुंबई। फर्नीचर हार्डवेयर उत्पाद के क्षेत्र में प्रिंस पोलो ब्रांड का नाम सम्मान के साथ लिया जाता है। मुंबई के गुलालवाड़ी और भायंदर से शुरू प्रिंस पोलो ब्रांड फर्नीचर फिटिंग व ग्लास फिटिंग हार्डवेयर के क्षेत्र में ग्राहकों का पसंदीदा ब्रांड बन गया है। गुजरात के पालीताना गांव के मूल निवासी कांतिलाल शाह ने की 60 वर्ष पूर्व पालीताना में साबुन का व्यवसाय शुरू किया। गुलाब छाप ब्रांड के नाम से शुरू किया गया यह साबुन काफी प्रसिद्ध हो गया। कांतिलाल शाह ने हार्डवेयर के क्षेत्र में व्यवसाय शुरू करने के उद्देश्य से मुंबई आ गए और वर्ष 1994 में पुत्र परेश शाह व कमलेश शाह को साथ लेकर पोलो हार्डवेयर कलेक्शन की स्थापना की। दो दशक पूर्व मार्केट में पेश किया गया प्रिंस पोलो ब्रांड आज अपनी बेहतर गुणवत्ता से ग्राहकों की कसौटी पर पूरी तरह से खरा उतरा है।

परेश शाह

कंपनी के कमलेश शाह ने कहा कि किसी भी कंपनी की सफलता के लिए उसके प्रोडक्ट की क्वालिटी का अहम योगदान होता है। इसी क्वालिटी के कारण आज प्रिंस पोलो ब्रांड हार्डवेयर के क्षेत्र में एक मजबूत नाम बनकर उभरा है। उत्पाद के साथ-साथ निरंतर नए प्रयोग के द्वारा उसको और बेहतर बनाना हमारा उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि पोलो हार्डवेयर कलेक्शन के पोलो और प्रिंस पोलो ब्रांड नाम से प्रचलित उत्पादों की पूरे देश में लगातार मांग बढ़ती जा रही है।

प्रिंस पोलो ब्रांड के स्लाइडिंग फिटिंग्स, वार्डरोब फिटिंग्स और ग्लास फिटिंग्स उत्पाद की कारपेंटर, फर्नीचर निमार्ताओं के साथ फर्नीचर निर्माण इकाइयों में अच्छी डिमांड है। कंपनी की ओर से बाजार में लांच किये गए टॉयलेट पार्टीशन फिटिंग की तेजी से डिमांड बढ़ी है। कंपनी फ्लोरिंग स्प्रिंग के लिए एक वर्ष की गारंटी भी प्रदान करती है। किसी भी उत्पाद में अगर खराबी पाई गई तो उसे कंपनी दुरूस्त करके नहीं, बल्कि बदलकर नई चीज देती है। इसके साथ ही 5 हजार से ज्यादा उत्पाद उनके पास है। पूरे देश में पोलो हार्डवेयर कलेक्शन को उच्चतम सेवा प्रदान करने के लिए सराहना की जाती है। आज पूरे देश में प्रिंस पोलो ब्रांड के 20 अधिकृत डीलर और दो हजार से ज्यादा डिस्ट्रीब्यूटर हैं। कमलेश शाह बताते हैं कि पिता कांतिलाल शाह (79) आज भी व्यावसायिक रूप से सक्रिय हैं और उचित समय पर मार्गदर्शन भी देते हैं। कंपनी के एम. डी. परेश शाह व पिता कांतिलाल शाह कंपनी के निरंतर विकास पर ध्यान दे रहे हैं। कंपनी के एम. डी. परेश शाह अच्छा से अच्छा उत्पाद मार्केट में पेश किए जाने के उद्देश्य से ज्यादातर देश, विदेश की यात्राओं पर रहते हैं। उनका प्रयास हर तीन माह में प्रोडक्ट में सुधार करना रहता है।

हमारे आज के 'विश्वकर्मा' बन सकते हैं कल के उद्यमी : पीएम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि प्रधानमंत्री विश्वकर्मा कौशल सम्मान योजना का उद्देश्य पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों की परंपरा को संरक्षित करना और उनका विकास करना है। हमारी सरकार उन्हें वैल्यू चेन सिस्टम का हिस्सा बनाने की दिशा में काम कर रही है और इसके लिए उन्हें औजार और तकनीक के जरिये मदद दी जाएगी। मोदी प्रधानमंत्री विश्वकर्मा कौशल सम्मान (पीएम विकास) पर बजट के बाद के वेबिनार को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज के विश्वकर्मा कल के उद्यमी बन सकते हैं। कारीगरों, छोटे व्यवसायों की मदद के लिए समयबद्ध मिशन मोड में काम करने की जरूरत है, ताकि छोटे व्यवसायों से जुड़े व्यक्ति मूल्य श्रृंखला का हिस्सा बनें। आम बजट 2023 पेश करते हुए, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कारीगरों और शिल्पकारों के लिए नई योजना पीएम विकास शुरू करने की घोषणा की थी। पीएम मोदी ने कहा कि छोटे कारीगर स्थानीय शिल्प के उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विश्वकर्मा योजना उन्हें सशक्त बनाने पर केंद्रित है और इसकी घोषणा के बाद से ही यह योजना तुरंत केंद्र में आ गई। मोदी ने कहा कि कुशल शिल्पकार आत्मनिर्भर भारत की सच्ची भावना के प्रतीक हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि हमें राष्ट्र के विश्वकर्मा (कारीगरों और शिल्पकारों) की जरूरतों के अनुसार अपने कौशल बुनियादी ढांचे को फिर से बनाने की जरूरत है। सरकार आज मुद्रा योजना के जरिये, करोड़ों रुपये का लोन बिना बैंक गारंटी दे रही है। इस योजना का भी हमारे विश्वकर्मा साथियों को ज्यादा से ज्यादा लाभ देना है। उन्होंने कहा कि कुशल कार्यबल की लंबे समय तक उपेक्षा की गई और उनके काम को गुलामी के वर्षों के दौरान गैर- महत्वपूर्ण माना गया।

Cupboard Locks

5 Years Guarantee

Drawer Locks

Size: 25,30,35,40,45mm

Size: 20,25,30,35mm

Imp & Marketed by:

POLO HARDWARE COLLECTION
Mumbai- 401105

www.princepolo.in

+91 8422984733

PRINCE POLO
Design... Style... Quality...
Architecture Hardware Fittings

पोषण समृद्ध, जलवायु समर्थ का संदेश देता अंतरराष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष

मोटे अनाज (ज्वार, बाजरा, रागी आदि) सबसे पुराने भोज्य पदार्थ हैं, जिनके बारे में मानव जाति को सबसे पहले पता चला था। मोटे अनाज ऐसी पहली फसल हैं, जिसकी खेती भारत में की जाने लगी थी। ऐसे कई प्रमाण मिले हैं, जिनसे पता चलता है कि सिंधु घाटी सभ्यता के दौरान मोटे अनाजों को खाया जाता था। मोटे अनाज के इसी महत्व को पहचान कर लोगों को पोषक भोज्य पदार्थ उपलब्ध कराने और स्वदेशी व वैश्विक मांग का सृजन करने के क्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर भारत सरकार ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष के रूप में घोषित कराने में अग्रणी भूमिका निभाई। भारत के इस प्रस्ताव को 72 देशों ने समर्थन दिया और मार्च 2021 में ही संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष के रूप में घोषित कर दिया।

संसद में 20 दिसंबर को एक अनोखे सहभोज का आयोजन किया गया था। देश के उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, लोकसभा के अध्यक्ष, पूर्व प्रधानमंत्री, संसद के दोनों सदनों के नेता, विभिन्न राजनैतिक दलों के अध्यक्ष, सांसदगण और अधिकारी मौजूद थे। यह कोई राजनैतिक आयोजन या भोजन पर मिलन का कार्यक्रम भर नहीं था, बल्कि इसका उद्देश्य जन-जन के पोषण और स्वास्थ्य से जुड़ाव था। इसके पीछे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच रही है कि भारत के प्राचीन पोषक अनाज को भोजन की थाली में पुनः सम्मानजनक स्थान मिले। जिसकी प्रतीकात्मक पहल संसद भवन से हुई जहां शीर्ष स्तरीय नीति-निर्माता स्वयं शामिल हुए। इस आयोजन का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि 2023 के इस वर्ष को दुनिया अंतरराष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष के रूप में मना रही है, जिसकी पहल भारत ने की है।

मोटा अनाज (मिलेट्स) मानवजाति के लिए प्रकृति की अनमोल देन है तो 2023 को अंतरराष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष के तौर पर मनाना विश्व मानवता के लिए किसी उपहार से कम नहीं है। भारतीय भोजन में मोटे अनाज का उपयोग करने की परंपरा रही है, लेकिन 1960 के दशक में हरित क्रांति के जरिए खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देने के कारण मोटे अनाज की तरफ ध्यान कम हुआ। धीरे-धीरे इसकी तरफ ध्यान इतना कम हुआ कि यह न सिर्फ थाली से गायब हुआ बल्कि खपत में कमी के कारण उत्पादन भी कम हो गया। हरित क्रांति के पहले सभी फसली अनाजों में मोटा अनाज लगभग 40 प्रतिशत होता था, जो आने वाले वर्षों में गिरकर लगभग 20 प्रतिशत रह गया। पहले जितने क्षेत्र में उसका उत्पादन होता था, उसकी जगह वाणिज्यिक फसलों, दलहन, तिलहन और मक्के ने ले ली। यह वाणिज्यिक फसलें फायदेमंद हैं और उनके उत्पादन को कई नीतियों से समर्थन मिलता है, जैसे सब्सिडी, सरकारी खरीद और सार्वजनिक वितरण प्रणाली में उन्हें शामिल करना। इस सबके बीच खानपान की आदत बदलने के साथ कैलोरी से भरपूर महीन अनाज को थाली में प्राथमिकता दी जाने लगी।

मिलेट्स देश में कोई नई चीज नहीं है। पहले कम सुविधाओं के बीच ग्रामीण परिवेश में इस तरह का ताना-बाना होता था कि छोटे किसान भी अपनी जरूरत के हिसाब से अनाज का उत्पादन करते थे। पारिवारिक जरूरत पूरी करने के बाद जो अनाज बचता था, उसे बाजार में ले जाते थे। खेती में धीरे-धीरे ज्यादा लाभ की प्रतिस्पर्धा हुई। खेती आमदनी के साधन के रूप में बदल गई और इस बीच किसानों की गेहूं व धान पर निर्भरता अधिक हो गई। भारतीय किसान देश को पर्याप्त मात्रा में भोजन उपलब्ध कराने में सक्षम हैं, वहीं दुनिया को भी आपूर्ति कर रहे हैं। अब जब देश खाद्यान्न व बागवानी की अधिकांश उपज के मामले में अग्रणी है तो पोषक-अनाज की ओर ध्यान दिया जाना जरूरी है। आज पोषकता की आवश्यकता है, अनुसंधान भी काफी गहराई से हो रहा है, बारीकी से उसका विश्लेषण किया जा रहा है। जगह-जगह व्याख्यान हो रहे हैं, विद्वान चिंतन कर रहे हैं और कहा जा रहा है कि अच्छे स्वास्थ्य के लिए मिलेट्स जरूरी है। इस संबंध में प्रधानमंत्री मोदी का कहना है कि मिलेट्स के लिए हमें काम करना चाहिए। उनकी पहल पर योग की तरह देश-दुनिया में मिलेट्स को बढ़ावा दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के आव्हान पर मिलेट्स की खपत बढ़ रही है तो उत्पादन भी बढ़ रहा है।

मिलेट्स, इसे प्रायः एक प्राचीन अनाज माना जाता है। इसका एक इतिहास है, जो हमारे द्वारा उपभोग किए जाने वाले आधुनिक अनाजों से पहले का है। वास्तव में, सिंधु घाटी सभ्यता से बरामद की गई कुछ कलाकृतियों के अनुसार, सिंधु घाटी में मोटा अनाज पाया जाता था और जहां तक भारत का संबंध है, हम विश्व के सबसे बड़े उत्पादक हैं। भारत में लगभग 1.80 करोड़ टन मिलेट्स का उत्पादन होता है जो वैश्विक उत्पादन का लगभग 20 प्रतिशत है। दुनिया के 200 में से लगभग 130 देश किसी न किसी रूप में पोषक अनाज का उत्पादन करते हैं। भारत नौ प्रकार का पोषक अनाज पैदा करता है। खाद्य प्रसंस्करण में पोषण सुरक्षा के समाधान भी हैं। उदाहरण के लिए मोटे अनाज और बाजरा में उच्च पोषक तत्व हैं। वह प्रतिकूल कृषि-जलवायु परिस्थितियों का सामना भी कर सकते हैं। उन्हें 'पोषण समृद्ध और जलवायु समर्थ' फसल भी कहा जा सकता है। मोटे अनाज का मतलब पोषक तत्व वाले अनाज, इसमें पोषकता कहीं ज्यादा पाई जाती है। जो अनाज अभी हम खाते हैं उससे कहीं बेहतर है। स्वास्थ्य के लिहाज से सबसे उम्दा है। इसके अलावा जहां इसे उगाया जाता है वहां के किसान छोटे हैं, असिंचित क्षेत्र में पैदा होता है। विशुद्ध रूप से इसे जैविक खेती भी कह सकते हैं क्योंकि रासायनिक खाद, कीटनाशकों का प्रयोग न के बराबर होता है। मोटा अनाज कहकर जिसे नकार दिया गया था, वह अवधारणा अब बदल रही है। सुपर फूड के रूप में इसकी पहचान बन रही है। इसकी मांग बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है ताकि किसानों को बेहतर मूल्य मिले।

OZONE FOR A SAFER WORLD | किचन और फर्निचर फिटिंग्स

ओज़ोन बेड लिफ्ट-अप सिस्टम के साथ,

आसान लाइफ की करो शुरुआत।

सदियों से हर भारतीय घर की एक ही प्रथा रही है – जो चीज़ कम काम में आये, वह बेड बॉक्स में जाए! जो आइटम ज़्यादा जगह लेते हैं वह भी बेड के अंदर जाते हैं। इस लिए जगह की कमी और जरूरत के अनुसार लोग आजकल अपना ज़्यादा से ज़्यादा सामान बेड बॉक्स में स्टोर करके रखते हैं। पर पुरानी डिज़ाइन के बेड बॉक्स को खोलना और बंद करना काफी मुश्किल होता है। और यह किसी एक के बस की बात नही।

लेकिन अब बेड के बॉक्स में सामान रखने के लिए भारी–भरकम बेड को उठाने की जरूरत नहीं है। ओज़ोन बेड लिफ्ट–अप सिस्टम के साथ अब कोई भी आसानी से बेड को उठा सकता है और बंद भी कर सकता है।

स्मूथ, ज़्यादा लोड सहने की क्षमता और आसानी से खुलने व बंद होने के कारण ओज़ोन बेड लिफ्ट–अप सिस्टम ने ग्राहकों को एक मज़बूत और आधुनिक सॉल्यूशन दिया है।

आख़िर क्यों ख़ास है ओज़ोन बेड लिफ्ट–अप सिस्टम?

सामान्य बेड लिफ्ट–अप सिस्टम ज़्यादा समय तक नहीं चलते हैं इसीलिए उन पर भरोसा नहीं किया जा सिकता है। कुछ समय बाद हाइड्रोलिक्स हार्ड हो जाते हैं। बेड बोक्स से सामान निकालना और रखना मुश्किल काम लगने लग जाता है। दूसरी तरफ, ओज़ोन बेड लिफ्ट–अप सिस्टम को कई मानकों पर परखा जाता है। तब जाकर बनता है टिकाऊ और भरोसेमंद बेड लिफ्ट–अप सिस्टम।

इतना ही नहीं ओज़ोन बेड लिफ्ट–अप सिस्टम में मिलती है :–

- स्मूद ओपनिंग एंड क्लोज़िंग
- नवीनतम तकनीक व ड्यूरेबल डिज़ाइन
- अधिक स्टोरेज स्पेस
- 200 किलो तक लोड क्षमता
- 33 डिग्री के वाइड ओपनिंग एंगल

ओज़ोन फिटिंग्स अन्य ब्रांड्स से बेहतर क्यों है?

ओज़ोन भारत में हार्डवेयर फिटिंग एण्ड सॉल्यूशन का नामी मैन्युफैक्चरर है। ओज़ोन अपनी हाई–क्वालिटी और इनोवेशन के लिए जाना जाता है। कस्टमर्स की जरूरतों के हिसाब से आधुनिक डिज़ाइन उपलब्ध करवाना उनकी प्राथमिकता है।

फर्नीचर, डिजिटल लॉक्स, ग्लास फिटिंग्स, दरवाज़े, रेलिंग्स, किचन फिटिंग्स–ओज़ोन के सारे प्रोडक्ट्स इनोवेशन की नई परिभाषा गढ़ते हैं।

अब पुराने ज़माने के बेड्स को छोड़िए और अपनाइए ओज़ोन बेड लिफ्ट–अप सिस्टम युक्त बेड्स। ओज़ोन के इस इनोवेशन से अब कोई भी, कभी भी बिना अधिक ताक़त लगाये बेड्स को खोल और बंद कर सकता है, लाईफ को और आसान बना सकता है।

अधिक जानकारी के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

www.ozone-india.com 09310012300

नाटू-नाटू को मिला ऑस्कर अवॉर्ड

साउथ सिनेमा के दिग्गज निर्देशक राजमौली की फिल्म आरआरआर ने दुनियाभर में अपनी बुलंदी का परचम लहरा दिया है। 95 वें ऑस्कर अवॉर्ड 2023 में इस फिल्म के गाने नाटू-नाटू को बेस्ट ओरिजिनल सॉन्ग कैटेगरी में ऑस्कर अवॉर्ड मिला है। आरआरआर की जीत से पूरे देश में खुशी का माहौल है। फिल्म आरआरआर की टीम ने भी बेहद खास अंदाज में अपनी जीत का जश्न मनाया है।

सोशल मीडिया पर फिल्म आरआरआर की टीम का एक सेलिब्रेशन वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें फिल्म की टीम जीत का जश्न मनाते नजर आ रही है। इस वीडियो में एमएम कीरावनी पियानो बजाते दिखाई दे रहे है और सभी लोग उनकी बीट पर थिरकते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में राम चरण, उपासना कामिनेनी, एसएस राजामौली और उनकी पत्नी समेत कई और लोग डांस करते दिखाई दे रहे हैं।

समर सिंह और आकांक्षा दुबे जल्द मचाने आएंगे कोहराम

भोजपुरी सिनेमा के दो सुपरहिट स्टार समर सिंह और आकांक्षा दुबे की आने वाली फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। समर सिंह को अभिनय के साथ उनकी आवाज के लिए भी खास पहचान भोजपुरी के दर्शकों के बीच मिली हुई है जबकि आकांक्षा दुबे को भोजपुरी गानों में मचाते धमाल और सोशल मीडिया पर उनकी हॉट अदाओं की वजह से लोग खूब पसंद करते हैं।

समर सिंह और आकांक्षा दुबे की अपकमिंग फिल्म तारीख का ट्रेलर रिलीज किया गया है। फिल्म का ट्रेलर काफी धमाकेदार है। इसकी कहानी को ट्रेलर से समझें तो हंगामेदार है और इसमें मारपीट, एक्शन और रोमांस का बेहतरीन तड़का आपको देखने को मिलेगा। फिल्म बड़े पैमाने पर बनाया जा रहा है। ऐसे में इस फिल्म के रिलीज का इंतजार दर्शक

बेसब्री से कर रहे हैं। आकांक्षा दुबे और समर सिंह की फिल्म तारीख के गाने भी समर सिंह ने गाए हैं। इसका वीडियो एवरेस्ट भोजपुरी के यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है।

सारा को देख धड़का फैंस का दिल

बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान अपने हर अंदाज से अपने काम के साथ-साथ अपने बोल्ड लुक्स के लिए भी जानी जाती हैं। वे फैंस का दिल जीत लेती हैं। चाहे तो उनकी सादगी हो या फिर उनकी हॉटनेस।

पिछले दिनों लैक्मे फैशन वीक के दूसरे दिन सारा ने जमकर कहर ढाया। एक्ट्रेस ने रैंप वॉक की और सभी का दिल जीत लिया। इस रैंप वॉक के लिए एक्ट्रेस को सुर्ख लाल रंग का आउटफिट दिया गया था। इस इवेंट के बाद सारा को ये आउटफिट इतना पसंद आया कि वह इसमें अपनी तस्वीर शेयर करने से खुद को रोक नहीं पाई। सारा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी तस्वीरें शेयर की हैं। जिसमें वह बेहद हसीन लग रही हैं।

सारा के आउटफिट में बेहद खूबसूरत काम किया गया है। लाल रंग में वह कातिलाना लग रही हैं। उनकी अदाएं उनके चाहने वालों का दिल जीत रही हैं। एक्ट्रेस का ये अंदाज देख फैंस के दिलों की धड़कने बढ़ गई हैं। सारा अक्सर अपने लुक्स से सभी को इंप्रेस करती रहती हैं। एक्ट्रेस इन दिनों अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट गेड लाइट को लेकर काफी चर्चा में हैं। फैंस को उनकी फिल्म का काफी इंतजार है।

रिया सेन का बोल्ड अवतार

फाल्गुनी पाठक के पॉपुलर सांग याद पिया की आने लगी से रिया सेन को सबसे पहले प्रसिद्धि मिली थी। इस गाने में उनकी मासूमियत ने फैंस का दिल जीत लिया था और आज भी जब ये गाना कहीं दिखाई देता है तो फैंस अपनी नजरें नहीं हटा पाते हैं। गाने में रिया सेन ने अपनी अदाओं से सभी को मदहोश कर दिया था। एक्ट्रेस की पॉपुलैरिटी फैंस के बीच आज भी है और वे सोशल मीडिया सेंसेशन भी हैं। एक्ट्रेस का लुक फैंस को काफी पसंद आता है और सोशल मीडिया पर लोग उनका बोल्ड अवतार देख तारीफ करते नहीं थकते हैं। रिया सेन ने अपनी एक फोटो शेयर की है जिसमें वे ब्लैक कलर की बिकिनी में नजर आ रही हैं और बेहद खूबसूरत लग रही हैं। उन्होंने मिनिमल मेकअप भी किया हुआ है और अपनी जुल्फों को सलीके

से बांधा हुआ है। एक्ट्रेस की इस एक फोटो ने फैंस का दिल जीत लिया है और फैंस उनके चेहरे से नजर नहीं हटा पा रहे हैं। रिया सेन ने इस फोटो के साथ फैंस को नसीहत भी दे डाली है। उन्होंने तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा है 'डोन्ट हेट, मेडिटेट। उनकी इन फोटो पर फैंस के काफी रिएक्शन भी आ रहे हैं। लोग एक्ट्रेस की तस्वीर पर हार्ट और फायर इमोजी शेयर करते नजर आ रहे हैं।

तू झूठी मैं मक्कार ने पकड़ी रफ्तार

रणबीर कपूर और श्रद्धा कपूर इन दिनों अपनी फिल्म तू झूठी मैं मक्कार को लेकर खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। फिल्म ने रिलीज होते ही बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया है। लोगों को फिल्म तू झूठी मैं मक्कार में रणबीर कपूर और श्रद्धा कपूर की फ्रेश जोड़ी खूब भा रही है। तू झूठी मैं मक्कार ने बॉक्स ऑफिस पर कमाई की रफ्तार पकड़ ली है। फिल्म ने पहले वीकेंड पर 70.24 करोड़ की कमाई कर ली है। लव रंजन के निर्देशन में बनी रोमांटिक कॉमेडी फिल्म तू झूठी मैं मक्कार ने रिलीज से पहले ही काफी बज बना लिया था। जैसे ही फिल्म रिलीज हुई तो सिनेमाघर खचाखच भर गए।

अदा के दीवाने हुए फैंस

बॉलीवुड और साउथ की फिल्मों में काम कर चुकी अभिनेत्री अदा शर्मा का एक अलग ही अंदाज है। उनके यूनिक अंदाज की वजह से ही फैंस उन्हें पसंद करते हैं। अदा शर्मा ने हाल ही में अपनी कुछ लेटेस्ट फोटोज शेयर की है जिसका फैंस हमेशा बेसब्री से इंतजार करते रहते हैं। इन फोटोज में वे ट्रेडिशनल आउटफिट में भी बेहद बोल्ड लग रही हैं। एक्ट्रेस पिंक कलर के लहंगे में हैं और उन्होंने ऊपर से येलो कलर की चुनरी ली हुई है। उनका ये लुक एकदम परफेक्ट है। फोटो में वे अलग अलग पोज में नजर आ रही हैं और अपनी अदाओं से फैंस को दीवाना कर रही हैं। फोटोज शेयर करने के साथ उन्होंने कैप्शन में फैंस से पूछा है, क्या इस लुक में रील हो जाए। फैंस भी उनकी इन लेटेस्ट फोटो पर कमेंट करते नजर आ रहे हैं। अदा हमेशा से कई सारी फोटोज अतरंगी आउटफिट में शेयर करती हैं जिसे देख फैंस की आंखें खुली रह जाती हैं। एक तो उनकी क्यूटनेस और ऊपर से उनकी अदाओं का जाल, फैंस आखिर बचकर जाएं भी तो जाएं कहां।

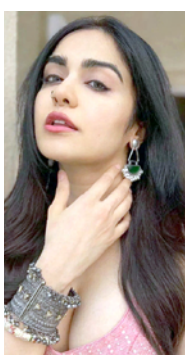

OZONE®
FOR A SAFER WORLD
किचन और
फर्निचर फिटिंग्स

खोलने में ना लगे ज़ोर
क्वालिटी बेजोड़
ओज़ोन बेड लिफ्ट-अप सिस्टम

अधिक जानकारी के लिए
क्यूआर कोड स्कैन करें

स्मूद ओपनिंग
एंड क्लोज़िंग

नवीनतम तकनीक व
ड्यूरेबल डिज़ाइन

अधिक
स्टोरेज स्पेस

200 किलो तक
लोड क्षमता

33 डिग्री के वाइड
ओपनिंग एंगल

अधिक जानकारी
के लिए सम्पर्क करें
09310012300